



तरुणा छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarhin
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर, बुधवार 07 अक्टूबर 2026 ■ आश्विन कृष्ण पक्ष-11 ■ वर्ष -42 ■ अंक-189 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 08 अक्टूबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

बीजेपी का सेवा संकल्प अभियान: सीएम साय समेत नेता-कार्यकर्ताओं ने 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ का लिया संकल्प

रायपुर ■ तरुण छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में बुधवार को सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। बीजेपी के सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेश के सभी 33 जिलों में कार्यक्रम हुए। रायपुर में मुख्य कार्यक्रम इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडप में हुआ, जहां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत बीजेपी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद रायपुर में आईजीकेवी से तेलीबांधा तक सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हाथों में मशाल लेकर यात्रा में शामिल हुए। उनके साथ बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता भी रहे। यात्रा के साथ ब्लाक रेली भी निकाली गई। मुख्यमंत्री के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाई, सांसद वृजमोहन अग्रवाल समेत कई विधायक और बीजेपी नेता मौजूद रहे। यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने सेवा संकल्प अभियान के तहत अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहा अभियान-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सेवा संकल्प अभियान और विकसित भारत संकल्प सभा को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर जनसेवा के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि वह स्वस्थ रहें और लंबे समय तक देश को सेवा करते रहें। साय ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चल रहा है। उनके मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी को 140 करोड़ भारतवासियों का सहयोग मिला है और वह रात-दिन देश के सुख-दुख के लिए काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री 'सबका विश्वास, सबका प्रवास' के मंत्र के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी प्रधानमंत्री का काफी आशीर्वाद मिला है और जब प्रदेश के किसान को बाल लेकर उनके पास जाते हैं तो 2047 से ज्यादा समर्थन मिलता है।

2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प-सीएम साय ने कहा



कि छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने का संकल्प है। उन्होंने अपने हालिया सिंगपुर दौरे का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री के मुताबिक, दौरे के दौरान

उन्होंने चार दिनों तक उद्योग जगत और बिजनेस फेडरेशन से जुड़े लोगों से मुलाकात की। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रति उद्योग जगत में भरपूर है और

उनकी ओर से जो भी जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को मिलेगी, उसे पूरा किया जाएगा। इस दौरान सीएम साय समेत नेता-कार्यकर्ताओं ने 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ का

संकल्प लिया।

38 जगह बनने सेवा ज्योति संकल्प चौक-सेवा ज्योति अभियान को लेकर मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 38 स्थानों पर सेवा ज्योति संकल्प चौक विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि रायपुर के तेलीबांधा चौक को भी सेवा ज्योति संकल्प चौक के रूप में विकसित किया जाएगा।

इवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस को सीएम साय का जवाब-इवीएम को लेकर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विपक्ष में है तो कुछ तो करना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पूरे देश की जनता का विश्वास खो चुकी है। साय ने कहा कि जब कांग्रेस इवीएम के जरिए चुनाव जीती है तो सवाल नहीं उठाती, लेकिन हारने पर इसका ठीकरा इवीएम पर फोड़ती है। वह मुख्यमंत्री का राजनीतिक बयान है और इसे उसी रूप में देखा जाना चाहिए। रायपुर में हुए मुख्य कार्यक्रम के बाद सेवा ज्योति यात्रा तेलीबांधा की ओर रवाना हुई। वहीं प्रदेश के दूसरे हिस्सों में भी सेवा ज्योति यात्रा से जुड़े आयोजन हुए।

कर्म ही मेरा धर्म, फल की चिंता नहीं; पद-प्रतिष्ठा से बड़ी है भारत की सेवा : मोदी



नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए 2047 तक विकसित भारत बनाने, दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने, आत्मनिर्भर भारत और मैनुफैक्चरिंग हब बनाने सहित कई बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश में आज जो ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास दिखाई दे रहा है, वह अद्वितीय है। पीएम मोदी ने अपनी 25 वर्ष की जनसेवा यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके लिए पद और प्रतिष्ठा से अधिक महत्वपूर्ण भारत की सेवा है और काम ही उनका धर्म है।

2047 तक विकसित भारत का संकल्प-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाना है और देश यह करके दिखाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करना, आत्मनिर्भर भारत बनाना, दुनिया का मैनुफैक्चरिंग हब बनाना, ओलींपिक को मेजबानी करना और अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़े कदम उठाना देश के प्रमुख संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि जिस राष्ट्र के लोगों की धमनियां में आत्मविश्वास दौड़ता हो, उसे कोई रोक नहीं सकता।

25 साल की यात्रा को व्यक्तितगत महिमापंडित का विषय नहीं माना-प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के मुखिया के तौर पर 25 वर्षों की निरंतर यात्रा को लोग उपलब्धि मानते हैं, लेकिन उनके लिए यह व्यक्तितगत महिमापंडित का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अवसर देश की सामूहिक शक्ति और संकल्प को नई ऊर्जा देने का है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कभी पद के लिए जीवन नहीं बिताया और दूनवाही राजनीति में चमकने की चाहत भी उनके स्वभाव का हिस्सा नहीं रही।

'एश्विशन नहीं, मिशन के लिए जीने वाला इंसान'-पीएम मोदी ने कहा कि बाल्यकाल

से मिली शिक्षा-दीक्षा ने उन्हें सिखाया कि वह एश्विशन के लिए नहीं, बल्कि मिशन के लिए जीने वाले व्यक्तित्व हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें जो भी जिम्मेदारियां मिलीं, वे उन्हें निभाते चले गए। उनके जीवन का एक ही ध्येय रहा- देश के लिए निस्वार्थ कर्म। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मेरे लिए कर्म ही सब कुछ है। कर्म ही मेरा धर्म है।'

विद्यार्थी बन रहने की बताई सीख-अपने बचपन को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह नगर के स्कूल में पढ़ाई के दौरान वह हमेशा कक्षा में सबसे पहले पहुंचने वाले विद्यार्थियों में रहते थे। उन्होंने कहा कि सीखने की ललक उनके जीवन का हिस्सा बन गई और आज भी वह स्वयं को विद्यार्थी मानते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह हर दिन कुछ नया सीखने का प्रयास करते हैं और यही निरंतर सीखने की प्रवृत्ति उनके सार्वजनिक जीवन का भी हिस्सा रही है।

स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को हिका नमन-प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों और देशभर के कार्यकर्ताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कभी खुद को अकेला महसूस नहीं किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अनगिनत स्वयंसेवक हैं, जो भारत की सांस्कृतिक आला के संरक्षक हैं और जिसका उद्देश्य भारत की सेवा करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे स्वयंसेवक स्वयं को मानवता का सेवक मानकर कार्य करते हैं। उन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ देशसेवा कर रहे सभी स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को नमन किया।

हम करके रहेंगे' के संकल्प पर जोर-पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 25 वर्ष की जनसेवा यात्रा यह अवसर केवल अतीत को याद करने का दिन नहीं, बल्कि संकल्पों को नई ऊर्जा देने का दिन है। उन्होंने लाल किले से दिए गए 'सबका प्रयास' के मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को नई बुलंदियों पर पहुंचाने के लिए देशवासियों के जोश और ऊर्जा का संदेश स्पष्ट है- "हम करके रहेंगे।"

कर्म को देश के प्रति साधना बताया-प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका अधिकार कर्म पर है और इसलिए वह कर्म को अपना कर्तव्य मानते हैं। उन्होंने कहा कि हर कर्म पूरी क्षमता से करना चाहिए और प्रयास कभी रुकना नहीं चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके लिए कर्म केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि देश के प्रति साधना है। कर्म देश के लिए और देशवासियों के लिए है, जिसमें फल और श्रेय की चिंता नहीं है। उन्होंने निकाय कर्म को भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्म करते रहना ही उनका संकल्प है।

सिंगापुर दौरे से लौटे सीएम साय बोले- 43,600 करोड़ के विदेशी निवेश प्रस्ताव मिले, सभी एमओयू धरातल पर उतरेंगे

रायपुर, 7 अक्टूबर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

सिंगापुर के तीन दिवसीय दौरे के बाद छत्तीसगढ़ लौट आए हैं। मुख्यमंत्री 3 से 6 अक्टूबर तक सिंगपुर प्रवास पर थे। रायपुर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान अपने दौरे की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सिंगपुर में आयोजित इंडिया ग्रोथ फोरम 2026 कार्यक्रम में शामिल होकर छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के हमने रखा गया, इस दौरान प्रदेश में निवेश के लिए 43 हजार 600 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले हैं। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि सिंगपुर के उद्योग जगत से जुड़े कई प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई और उन्हें छत्तीसगढ़ आने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में रोजगार और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एनजी सेक्टर में सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव-

मीडिया से चर्चा में सीएम साय ने कहा कि सिंगपुर दौरे के दौरान एनजी कैपिटल ग्लोबल की ओर से 41 हजार 750 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव मिला है। वहीं एपी बिजनेस वैल्यू इंटरनेशनल कंपनी ने करीब 350 करोड़ रुपये निवेश का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा सन स्ट्रीम ग्रिप एनर्जी की ओर से सोलर सेक्टर में करीब 1,500 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव मिला है। कंपनी बैटरी स्टोरेज और उससे जुड़े कंपोनेंट के क्षेत्र में काम करेगी।

आईटी एजुकेशन सर्विस से भी हुआ एमओयू-मुख्यमंत्री साय ने बताया कि आईटी एजुकेशन सर्विस के साथ भी एमओयू हुआ है। उन्होंने संस्था के आईटी परिसर का प्रभण किया, जो विश्व प्रसिद्ध कोसल विकास मॉडल है। निवेश प्रस्तावों के प्रदेश में धरातल पर उतरने को लेकर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार को भी एमओयू कर रही है, उसे पूरी जांच-पछछ के बाद कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को आवश्यक करना चाहते हैं कि इन समझौतों और प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जाएगा और इसका लाभ प्रदेश की जनता को मिलेगा।

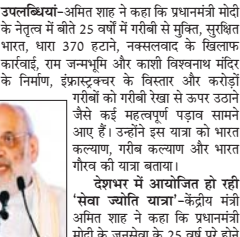
सेवा ज्योति कार्यक्रम को लेकर भी बोले सीएम साय-मुख्यमंत्री साय ने बीजेपी के सेवा ज्योति कार्यक्रम को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। इसी अवसर को लेकर देशभर में 13 तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इनमें से एक सेवा ज्योति कार्यक्रम भी है। प्रधानमंत्री आने देशवासियों को संबोधित करेंगे, जिसे सभी जिला मुख्यालयों में सुनेंगे।

7 अक्टूबर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में स्वर्णिम दिन: शाह

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उनके नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने बुधवार को गुरुग्राम में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सभा-सेवा ज्योति यात्रा' को संबोधित करते हुए कहा कि 7 अक्टूबर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दिन है। शाह ने कहा कि साधारण परिवार से निकलकर अपनी क्षमता, नेतृत्व और जनसमर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे किए हैं।

25 वर्ष का नेतृत्व ऐतिहासिक उपलब्धि बताया-गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि करोड़ों लोगों को साथ लेकर लंबे समय तक शासन के शीर्ष पर बने रहना भारतीय राजनीति में उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 25 वर्ष एक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने का इतिहास बनाया है। शाह ने कहा कि जब भी भारत का इतिहास लिखा जाएगा, प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के ये 25 वर्ष स्वर्णिम अध्याय में दर्ज किए जाएंगे।

गरीब कल्याण से इंफ्रास्ट्रक्चर तक गिनाई



देशभर के हर जिले में 'सेवा ज्योति यात्रा' आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि देशभर में युवा इस यात्रा के माध्यम से प्रमुख चौराहों पर पहुंचेंगे और वहां सेवा की मशाल प्रज्वलित करेंगे। शाह ने अधिक से अधिक युवाओं से इस अभियान से जुड़ने और इसे जनगोपनीय के उत्सव में बदलने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनसेवा और सुशासन अमित शाह जोर-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को लेकर अतिशय शाह इससे पहले भी जनसेवा और सुशासन पर जोर दे चुके हैं। जून 2026 में उन्होंने प्रधानमंत्री के लंबे सार्वजनिक कार्यकाल को जनता को सेवा की ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मोबाइल टावर पर चढ़ी महिला, नगर में मचा हड़कंप

तखतपुर, 7 अक्टूबर।

छत्तीसगढ़ के तखतपुर नगर में उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब पुराना बस स्टैंड क्षेत्र स्थित मोबाइल टावर पर एक महिला अचानक 100 फीट से ऊपर उड़ गई। महिला को टावर के ऊपर देखकर आसपास के लोगों की सांसें थम गईं। देखते ही देखते मौक पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ बसा हो गई और महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए गए। प्रहसंघर्षियों के मुताबिक, महिला काफी देर से टावर पर हो मौजूद थी। स्थानीय लोगों की कहानी है कि महिला का मानसिक स्थिति ठीक नहीं रही है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। महिला की स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के सामने उसे सुरक्षित नीचे उतारना चुनौती बन चुका है।

बिजली सप्लाई बंद, रस्तेय की तैयारी-घटना को सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौक पर पहुंची। थाना प्रभारी

सतीश साहू ने बताया कि महिला के मोबाइल टावर पर चढ़ने की सूचना मिली थी, जिसके बाद तखतपुर पुलिस टीम को मौक पर भेजा गया। महिला को सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी के मुताबिक, महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात सामने आई है, जिसके चलते रस्तेय ऑपरेशन में अतिरिक्त साधनाओं बरती जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर बिजली विभाग से संकेत कर बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। वहीं, संबंधित मोबाइल टावर कंपनी के कर्मचारियों को भी मौक पर बुलाया गया है। जल्द ही महिला को सुरक्षित नीचे उतार लिया जाएगा। महिला के टावर पर चढ़ने की घटना ने मोबाइल टावर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि टावर परिसर की सुरक्षा के लिए लाइव गैर धाराबंदी कई जगह से टूट चुकी है। इससे चलते कोई भी व्यक्ति आसानी से टावर परिसर में प्रवेश कर सकता है।

पंकज शर्मा पत्रकारिता की एक पूरी पीढ़ी के प्रेरणास्रोत : विजय शर्मा

रायपुर, 7 अक्टूबर

रायपुर ने पत्रकारिता के क्षेत्र में देश और प्रदेश को कई प्रमुख पत्रकार दिए हैं, इन्हीं में से एक नाम वरिष्ठ पत्रकार स्वीय पंकज शर्मा का है। उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से पंकज गाँडन, खो-खो नाम पर उनकी प्रतिभा का आनामरण उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। समारोह में सांसद श्री वृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री सुनील शर्मा, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री अनुज शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री हिमांशु द्विवेदी, रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी तथा अखंड ब्राह्मण समाज से श्री ज्ञानेश शर्मा सहित पत्रकारिता, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान स्वीय पंकज शर्मा के जीवन और उनकी पत्रकारिता यात्रा पर आधारित करीब एक घंटे की विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से उनके पत्रकारिता जीवन, देश-विदेश में किए गए कार्यों, उनकी लेखन शैली, संवाद क्षमता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण की स्मरण किया गया। डॉक्यूमेंट्री ने उपस्थित लोगों को पंकज शर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व से भावनात्मक रूप से जोड़ा। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि

पत्रकार स्व. पंकज शर्मा की प्रतिभा का उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया आनामरण, पत्रकारिता में उनके योगदान को किया गया श्राद



स्व. पंकज शर्मा ने पत्रकारिता को केवल पेशे के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और मिशन के रूप में लिया। उन्होंने सीमित जीवनकाल में अपनी प्रतिभा और लेखनी से ऐसी पहचान बनाई, जो आज भी पत्रकारिता जगत के



लिए प्रेरणा है। शर्मा ने कहा कि पंकज शर्मा की स्मृति को स्थायी रूप देना केवल एक व्यक्तित्व का सम्मान नहीं, बल्कि संस्करण की पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा का सम्मान है। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने स्वीय पंकज

शर्मा की स्मृति को और व्यापक स्वरूप देने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। उन्होंने पंकज उद्यान का नाम विस्तारित कर 'पत्रकार पंकज शर्मा उद्यान' करने, खो-खो पास स्थित स्कूल का नाम 'पत्रकार पंकज शर्मा' के नाम पर करने, तथा युवा प्रकाश राज्य अलंकरण की शुरुआत स्वीय पंकज शर्मा के नाम से किए जाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने पत्रकारिता विश्वविद्यालय की किसी प्रमुख बिल्डिंग का नाम भी 'पंकज शर्मा' के नाम पर दिए जाने का सुझाव दिया। मंच पर मौजूद सभी अतिथियों ने इन प्रस्तावों का समर्थन किया और पंकज शर्मा की स्मृति को संस्थागत रूप से संरक्षित करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि स्वीय पंकज शर्मा ने अपने अल्प जीवनकाल में पत्रकारिता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया। उन्होंने पत्रकारिता को नई दिशा दी और देश-विदेश में अपनी प्रतिभा से भारतीय पत्रकारिता का गौरव बढ़ाया। उनकी स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल तथ्यात्मक लेखों तक सीमित नहीं है, बल्कि पत्रकारिता के सूत्रों, परंपरा और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का एक आधार बनने का संकल्प भी है। कार्यक्रम का आयोजन रायपुर प्रेस क्लब, अखंड ब्राह्मण समाज छत्तीसगढ़ एवं विश्व सांस्कृतिक भवन प्रबंधन समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

पंकज शर्मा ने रायपुर की पत्रकारिता को राष्ट्रीय पहचान दी : वृजमोहन अग्रवाल

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद श्री वृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पंकज शर्मा रायपुर को एक पत्रकारिता परंपरा के प्रतिनिधि थे, जिसने अपनी प्रतिभा और लेखनी के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि पंकज शर्मा ने पत्रकारिता में जिस ऊंचाई को हासिल किया, वह आने वाले पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उनकी स्मृति में प्रतिभा का आनामरण स्मृति को लािव पीढ़ी को उनका आनामरण से परिचित कराना का महत्वपूर्ण माध्यम बनना। विधायक मोतीलाल साहू ने भी स्वीय पंकज शर्मा को याद करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया। वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु द्विवेदी ने पंकज शर्मा की पत्रकारिता शैली, लेखनी और उस दौर की पत्रकारिता में उनके प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला।

बजार

निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार 7 अक्टूबर को प्रातः बजे उनके निवास से रामन मुक्तिधाम, सुपेला के लिए प्रस्थित की। आम्बपाली सोसाइटी से जे. अशोक गोयल ने बताया कि दिवंगत श्रीमती दुर्गावती पांडेय को अंतिम विदाई देने के पश्चात श्रद्धाजलि सभा का आयोजन किया जायेगा।

20-25 साल का विस्थापन, दो राज्यों के बीच उत्की उम्मीद, अब दोनों सरकारों के दरवाजे पर दस्तक

विधायक पहुंचे विस्थापित बस्तियों में, जमीन पट्टा और सरकारी सुविधाओं की उठी मांग

■ तहसील छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 7 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के विस्थापित आदिवासी परिवारों की मुश्किलें आज तक खत्म नहीं हुईं। बीजापुर, देतवाड़ा और सुकमा जिले से वहाँ पहुँचे विस्थापित होकर तेलंगाना में बसे परिवार आज भी जमीन के स्थायी पट्टे, सरकारी योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं की आस लगाए बैठे हैं। गाँव छूटे, पीछियाँ बदलीं, लेकिन तेलंगाना में बसे आदिवासियों की जाँच किसी ने नहीं सुनी। इसी दर्द को करीब से समझने बीजापुर विधायक विक्रम मंडवी ने तेलंगाना के दो हिस्सों पर दौर पढ़ा।

विधायक ने वैकटचैम्बू, कदीपड, चित्तामपुरम, चेला, क्रांतिपुरम, रामचन्द्रपुरम, मांगलाबा, वैकटपुरम, योगिनानगरम, देवतनगरम, भूपतपुरम, मांगपेट, सलवा, महनुगुडम, सुंदरनगर,



उमेशचंदनगरम, मौरलपुरम, सराफाका और भद्राचलम सहित विभिन्न गाँवों व बस्तियों में पहुंचकर विस्थापित परिवारों से सीधा संवाद किया।

‘दो सरकारों के बीच अटकी ज़िंदगी’

विस्थापित परिवारों ने बताया कि वे पिछले 20 से 25 वर्षों से तेलंगाना सरकार से जमीन का स्थायी पट्टा और सरकारी

सुविधाओं की मांग करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि लंबे समय बाद भी उनकी मांगों का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। दूसरी ओर पैतृक गाँवों से दूरी के कारण छत्तीसगढ़ से भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने की बात परिवारों ने विधायक के सामने रखी। उन्होंने यह भी कहा कि कई परिवार आज भी न पुरी तरह नहीं जागह के हो सके हैं और न ही अपनी पैतृक जमीन-जड़ों से जुड़ पाए हैं। रेजी-रेटी, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की चिंता

के बीच उनका जीवन वर्षों से अनिश्चितता में गुजर रहा है।

भावुक हुए परिवार, बोले-अब हमारी आवाज सरकार तक पहुँचेगी

विधायक मंडवी के पहुंचने पर कई बस्तियों में लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान परिवारों ने अपनी समस्याएँ उठाते ही देखे, लेकिन उनका बात प्रभावों दान से नहीं सुनी गई। विधायक की मौजूदगी ने उन्हें पहली बार यह उम्मीद दी है कि उनकी आवाज अब सरकारी तक पहुँचेगी। विधायक मंडवी ने कहा कि वहाँ बाँट अनाई के बीच पहुँचना उनके लिए भी भावुक पल रहा। उन्होंने कहा कि यह केवल किसी एक परिवार की समस्या नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में विस्थापित आदिवासियों

परिवारों के भविष्य से जुड़ा विषय है।

अब बनेगा प्रतिनिधिमंडल, दोनों सरकारों से होगी बात

दोनों के दौरान तय किया गया कि विस्थापित आदिवासी परिवारों को और से एक प्रतिनिधिमंडल गठित किया जाएगा। यह प्रतिनिधिमंडल तेलंगाना और छत्तीसगढ़ दोनों सरकारों के समक्ष अपनी मांगें रखेगा। इसमें जमीन के स्थायी पट्टे, सरकारी योजनाओं का लाभ और अन्य आवश्यक सुविधाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहेंगे। विधायक मंडवी के अनुसार बीजापुर, देतवाड़ा और सुकमा जिलों से बड़ी संख्या में आदिवासी परिवार तेलंगाना में विस्थापित होकर रह रहे हैं। उन्होंने इनकी संख्या करीब 50 से 60 हजार के आसपास का दावा किया और कहा कि इन परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए समूहिक पहल जरूरी है।

एक नजर

एनएफडीसी समर्पित ‘छू लो आसमान’ ने कदती देतवाड़ा के विस्थापित परिवारों की तबली



देतवाड़ा/बसर, 7 अक्टूबर (तहसील छत्तीसगढ़ संवाददाता)। एनएफडीसी-समर्पित ‘छू लो आसमान’ देतवाड़ा के विस्थापित परिवारों के छात्रों ने 9 एनपीओएल, 2 बीओएल सीटें हासिल कीं, पहली पीढ़ी के डॉक्टर और इंजीनियर के तौर पर प्रवेशपत्र प्राप्त करने में दाखिला लिया देतवाड़ा के छात्रों की एनपीओ (NEET) में सरकारी के बाद हुई काउंसिलिंग के पहले दौर ने एनएफडीसी के सहयोग से चल रही ‘छू लो आसमान’ पहल को नई पहचान प्रदान है, जिसमें सरकारी तक मेडिकल प्रवेश परीक्षा पास करने वाले 22 छात्रों में से 11 छात्रों ने एनपीओएल में नौ और बीओएल में दो सीटें हासिल की हैं। सरकारी छात्रों ने देतवाड़ा में आवासयुक्त कॉलोनी कार्यक्रम में शुरू हुई यात्रा में अगला कदम रखते हुए मेडिकल कॉलेजों में अपनी पढ़ाई शुरू कर दी है। शेष छात्रों के लिए काउंसिलिंग अभी भी जारी है। इसके पहले से जुड़े दो अन्य छात्र, जिन्होंने जेईई (IIT) परीक्षा उत्तीर्ण की हैं, उन्होंने एनआईटीएचएम में जेई प्रोग्रामों की हैं, उन्होंने बी.टेक. फार्मेशन में दाखिला लिया है। विस्थापित परिवारों के छात्रों के लिए प्रवेशपत्र लिखा की गई राह छात्रों और उनके परिवारों के लिए, दाखिला का अर्थ प्रतिभागी परिवारों में सरकारीता से कहीं अधिक है। एक सामान्य श्रेणी के छात्र को डॉक्टर, सैनिक सरकारी उम्मीदवार अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय में है। अधिकतर आर्थिक रूप से विस्थापित परिवारों से आते हैं, जिनके माता-पिता खेती या कृषि मजदूरी का कार्य करते हैं। कई लोगों के लिए, व्यावसायिक शिक्षा में प्रवेश पाना उनके परिवार में इस तरह की पहली उपलब्धि है। प्रवेश पाने वालों में 21 वींवीय छात्र मकसम भी शामिल हैं, जिन्होंने एनआईटी में 412 अंक प्राप्त करने के बाद छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसस (सीआइएमएस), बिलासपुर में एनपीओएल कार्यक्रम में प्रवेश लिया है। देतवाड़ा के पीठासी की निवासी दीपा एक दूर-दराज के इलाके से आती हैं, जहाँ स्वास्थ्य-सेवा तक पहुँच एक चुनौती बनी है। हिंसा से बुरी तरह प्रभावित एक गाँव में पले-बढ़े होने के कारण, जहाँ लोगों को डॉक्टर तक पहुँचने के लिए घंटों यात्रा करनी पड़ती है, मैं जानती हूँ कि हमारे गाँव को स्वास्थ्य-सेवा की कितनी सख्त जरूरत है। अब जब मैं अपनी मेडिकल सीट हासिल कर ली है, तो मेरा मिशन अपने गृह-नगर लौटना है और अपने लोगों के लिए एक स्वस्थ भविष्य का निर्माण करना है, जिन्होंने बहुत लंबे समय तक कष्ट सहें हैं, मकसम ने कहा (2011 से जारी है ‘छू लो आसमान’ की शीर्षकक यात्रा ‘छू लो आसमान’ के तहत नवीनतम दाखिल प्रवेशपत्र प्राप्त किया। परिवारों के लिये हिंसित में बृद्ध करते हैं। 2011 में देतवाड़ा जिला प्रशासन और एनपीओएल की एक संयुक्त पहल के रूप में शुरू किया गया वह कार्यक्रम राष्ट्रीय और राज्य स्तरों मेडिकल और इंजीनियरिंगप्रवेश परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान करता है। देतवाड़ा जिले के कक्षा 8 उत्तीर्ण छात्रों के लिए एक प्रतिगोष्ठी प्रवेश-परीक्षा के माध्यम से छात्रों का चयन किया जाता है।

कर्मभूमि सेवा समिति ने जगदलपुर के बाढ़ पीड़ित 100 परिवारों तक पहुंचाई राहत

■ तहसील छत्तीसगढ़ संवाददाता

गौदम, 7 अक्टूबर। जगदलपुर में आई बाढ़ के बाद प्रभावित परिवारों की मदद के लिए पड़ोसी जिले देतवाड़ा के गौदम से राहत का हाथ बढ़ाया गया है। कर्मभूमि सेवा समिति गौदम ने नगर के नागरिकों और देतवाड़ा जिला ड्यूवर संघ के सहयोग से जगदलपुर के दो बाढ़ प्रभावित इलाकों में 100 परिवारों तक सूखे राशन की किट पहुंचाई। राहत सामग्री का वितरण जगदलपुर के विवेकानंद वाई स्थित खादपुरा पाग और प्रखर बाढ़ के कोहकापाल में किया गया। खोटा पाग में 72 और कोहकापाल में 28 परिवारों को राशन किट वितरित की गई। राहत किट में चावल, दाल, आटा, तेल, आलू, प्याज, हल्दी, मिर्च, धनिया, नमक, मसाले, खड़ी मिर्च, आंवला तेल, पेस्ट और माँस सहित रेजमरॉ में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री शामिल है। समिति के अनुसार, किट इस तरह तैयार की गई है कि प्रभावित परिवारों को करीब 10 से 15 दिनों तक दैनिक राशन की तत्काल जरूरत में राहत मिल सके।



रजनीश सुराना ने कहा- आपदा बेहद विकराल, सहयोग अभी कम

नगर पंचायत गौदम के अध्यक्ष रजनीश सुराना, समिति के अध्यक्ष कृष्णादेव अरवली, सहित राशेरा मिश्रा सहित जसरान शर्मा, सुरज जाजर, श्रीवास्तव राव, सविन गुप्ता, राजकुमार सिंह, रोशन शर्मा, सैतें सिंह, अश्विनी गुप्ता, अनुशु जाजर, राज शर्मा, राहुल सोनीवार, सुमित, आदर अखंडा और पवन भंडारी, अश्विनी शिवादे, हरमंदिर सिंह, शिवम गुप्ता, यश्विनी मिश्रकर ने सहयोग किया। वहीं देतवाड़ा जिला ड्यूवर संघ से अध्यक्ष मनीष पांडे, सानंद मनी राईर राजपुर, कोषाग्रह लक्ष्मीनारायण ना, सवालक अमेठी बाई, सदरस्थ शिवा सहित अन्य सदस्यों ने भी राहत सामग्री जुटाने और पहुंचाने में योगदान दिया। बस्तर ड्यूवर संघ की ओर से जिला अध्यक्ष मोहन ठाकुर, कोषाग्रह पदम सिंह देवान और सदरस्थ प्रहलद सहित अन्य सदस्यों की भागीदारी रही। वहीं जगदलपुर से अध्यक्ष श्रीवास्तव, प्रदीप सुराना, ओम जेन और मेहेल जेन ने भी राहत कार्य में सहयोग दिया।

जगदलपुर के समाज, सामाजिक संगठनों, जिला प्रशासन, नगरपालिका, विधायक और सांसद सहित विभिन्न स्तरों पर किए जा रहे राहत कार्यों की भी सहजता रही।

ड्यूवर संघ ने भी किया सहयोग - देतवाड़ा जिला ड्यूवर संघ के अध्यक्ष मनीष पांडे ने कहा कि आपदा किसी एक शहर या जगह की समस्या नहीं होती। संभट के समय समाज को एक-दूसरे के साथ खड़ा होना चाहिए। जगदलपुर में बाढ़ प्रभावित परिवारों की जरूरत को देखते हुए ड्यूवर संघ के सदस्यों ने राहत सामग्री जुटाने में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि गौदम और जगदलपुर के बीच केवल

राहत अतिथि बनें इनकी रही भूमिका

राहत अभियान में कर्मभूमि सेवा समिति के अध्यक्ष एवं नगर पंचायत गौदम अध्यक्ष रजनीश सुराना, समिति के अध्यक्ष कृष्णादेव अरवली, सहित राशेरा मिश्रा सहित जसरान शर्मा, सुरज जाजर, श्रीवास्तव राव, सविन गुप्ता, राजकुमार सिंह, रोशन शर्मा, सैतें सिंह, अश्विनी गुप्ता, अनुशु जाजर, राज शर्मा, राहुल सोनीवार, सुमित, आदर अखंडा और पवन भंडारी, अश्विनी शिवादे, हरमंदिर सिंह, शिवम गुप्ता, यश्विनी मिश्रकर ने सहयोग किया। वहीं देतवाड़ा जिला ड्यूवर संघ से अध्यक्ष मनीष पांडे, सानंद मनी राईर राजपुर, कोषाग्रह लक्ष्मीनारायण ना, सवालक अमेठी बाई, सदरस्थ शिवा सहित अन्य सदस्यों ने भी राहत सामग्री जुटाने और पहुंचाने में योगदान दिया। बस्तर ड्यूवर संघ की ओर से जिला अध्यक्ष मोहन ठाकुर, कोषाग्रह पदम सिंह देवान और सदरस्थ प्रहलद सहित अन्य सदस्यों की भागीदारी रही। वहीं जगदलपुर से अध्यक्ष श्रीवास्तव, प्रदीप सुराना, ओम जेन और मेहेल जेन ने भी राहत कार्य में सहयोग दिया।

आवागमन का संबंध नहीं है, बल्कि आपसी सहयोग और भाईचारे का रिश्ता भी है। प्रभावित परिवारों तक भोजन और आवश्यक सामग्री पहुंचाना एक छोटा प्रयास है और जरूरत पड़ने पर आपो भी सहयोग किया जाएगा। कर्मभूमि सेवा समिति से जुड़े लोगों के अनुसार, आपदा के समय जरूरतमंदों की मदद के लिए गौदम में पहले भी पहल की गई है। सुकमा जिले में आई बाढ़ के दौरान भी स्थानीय नागरिकों के सहयोग से प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री और आवश्यक सहायता पहुंचाने में सहयोग किया गया था।

यातायात पुलिस से 66 प्रकरणों में दस्ता रामन शुल्क

बीजापुर, 7 अक्टूबर।

जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने ओवरलोड, तीन सदस्य, नशे में वाहन चलाने सहित अन्य मामलों में कुल 66 प्रकरणों में शमन शुल्क का कार्रवाई की। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की समझाइश दी गई। पुलिस ने वाहन चालकों से सड़क पर जिम्मेदारी और सार्वजनिक के साथ वाहन चलाने की अपील की है।

समाचार सक्षेप

35 साल की पंपरा दूटी, अब मुकुटांगणी में जगदेबे

बीजापुर, 7 अक्टूबर (तहसील छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शारदीय नवरात्र में ग्राम महेंद्र इस बार खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। 35 वर्षों की पंपरा में पहली बार मां जगदेबे को छः स्वरूप की जगह उनकी मुकुटांगणी और सौम्य प्रतीमा स्थापित की जा रही है। मां के इस अनोखे स्वरूप के दर्शन के लिए प्रार्थनों और अर्चनारूपों में उल्लेख है। 1750 किमी दूर से आई मां की मुकुटांगणी की विशेष प्रतीमा मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के सिंगौड़ी गाँव के भूमिकाए चवन प्रजापति ने भिड़ों से तैयार की है।

करीब 750 लोकमीटर का सफर तय कर प्रतिमा महेंद्र पर आई है। समिति के अनुसार मां के मुकुटांगणी स्वरूप के जरिए शांति, प्रेम, ममता और सकारात्मकता का संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है।

उप रूप की जगह सौम्य आरगना-महेंद्र में तीन दशक से अधिक समय से नवरात्र उत्सव मनाया जा रहा है। इस बार पहली बार महिम्नसुर् मूर्ति ने छः स्वरूप के स्थापन पर शांति और मुकुटांगणी स्वरूप को पूजा होगी। शारदीय नवरात्र समिति के संयोजक सतीश चंभाला, अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर (वनतुल्य भैया), पूर्व अध्यक्ष सुनील तड़कल सहित सदस्य आगोजन की तैयारी में जुटे हैं।

पूरे बस्तर में पहली बार का दावा-समिति का दावा है कि बीजापुर ही नहीं, पूरे बस्तर में पहली बार नवरात्र में मां जगदेबे की मुकुटांगणी प्रतिमा स्थापित की जा रही है। नवीन बाढ़ है कि इस बार महेंद्र का नवरात्र उत्सव अर्चनारूपों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

30 परिवारों को मिला अवात पूर्णता प्रमाण-पत्र



बीजापुर, 7 अक्टूबर (तहसील छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सेवा सेतु अभियान के तहत उत्तर विभागाध्यक्ष सुभाषचंद्र ने अंग्रेजी विवर में प्रधानमंत्री आवास योजना के 30 हितधारियों को आवास पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष जयदीप कोरसा, जिला पंचायत सदस्य संकरेश माड्गूरी, कलेक्टर विश्वदीप एवं जिला पंचायत सीईओ नमता चौधरी की मौजूदगी में हितधारियों को प्रमाण-पत्र सौंपे गए। कलेक्टर विश्वदीप ने हितधारियों से चर्चा कर स्वीकृत और निर्माणप्रति आवासों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों और वेदनी अमले को निर्माणप्रति आवासों की निगरानी निगरानी करते हुए काम में तेजी लाने और हितधारियों को आदेशक सहयोग देने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रक्रिया, सहजता और निर्माण के विभिन्न चरणों की जानकारी भी दी गई। सीईओ जयदीप पंचायत उत्तर प्रभुकर कुमार चंद्रनर ने हितधारियों को स्वीकृत आवास समन-समन में पूरा करने के लिए प्रेरित किया। सेवा सेतु विवर में ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी भी दी गई। इस दौरान एसडीएम भूदर गार्ग, तहसीलदार, जयप्रतिनिधि, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

तेलुगू-कोरवोली के 60 जवाबों को केटीय गृहमंत्री दस्ता पदक



बीजापुर, 7 अक्टूबर (तहसील छत्तीसगढ़ संवाददाता)। तेलुगू-कोरवोली के जेलम में माओवादीयों के खिलाफ चलाया गए सार्वजनिक अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीजापुर पुलिस के 60 जवानों को केटीय गृहमंत्री दस्ता पदक से सम्मानित किया गया। इनमें डीआरजी एवं बरत फास्टर्स के 50 और एसटीएफ के 10 जवान शामिल हैं। 02 अक्टूबर 2024 को गंगारू थाना क्षेत्र के तेलुगू-कोरवोली के जेलम में सुरक्षा बल और माओवादीयों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई थी। इस अभियान में सुरक्षा बल ने 3 मिलियन समेत कुल 13 सार्वजनिक वीदीयों माओवादीयों को मार गिराया था। अभियान के दौरान जवानों ने अदरय साहस और उत्कृष्ट परतनिक क्षमता का परिचय दिया था। इसी वजह से उन्हें उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए चर्चित 60 जवानों को पुलिस और मंत्रालय अमेठी प्रसाद गुप्ता ने केटीय गृहमंत्री दस्ता पदक का प्रमाण-पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान मिलने से जवानों में उल्लास और मनोबल बढ़ा है। इस अवसर पर अधिकृत पुलिस अधीक्षक (ओएम) रविंद्र कुमार गोमरी, अधिकृत पुलिस अधीक्षक (ओएम) अमन कुमार झा, डीआरजी मुख्यालय अधिकृत केरवी, डीएसपी (ओएम) सिद्धार्थ सिंह चौहान सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

आंगनवाड़ी में गर्भवती महिलाओं को मोटरसाइकिल और बच्चे का अग्रगण्य करवा

देतवाड़ा, 7 अक्टूबर (तहसील छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सेवा संकल्प अभियान के समापन दिवस पर जिले में आंगन मिशन कार्यक्रम में आंगनवाड़ी के 40 आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण माह के तहत विभिन्न पोषण गतिविधियाँ हुईं। कार्यक्रमों में जनसंख्याविभाग और ग्रामीणों ने सहभागिता की। आंगनवाड़ी केंद्र डीआरजी कौलीने ने नगर पालिका

अध्यक्ष पायल गुप्ता की उपस्थिति में पोषण गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस दौरान गौतमराय, सुखरिषु प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम हुए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएँ और मित्राचार्यों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह आंगनवाड़ी केंद्र पनेरु सूर्यनारायण में जनपद पंचायत अध्यक्ष शकुंतला भस्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सुपौर्षित थाली, पीठिक उत्सव प्रदर्शनी और स्वस्थ रिश्ता प्रतिगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में तीन गर्भवती महिलाओं की गौतमराय तथा तीन बच्चों का अग्रगण्य करवा गया। तेलुगू पुजापिपा और तेलुगू सूर्यनारायण के दोनों आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा संयुक्त रूप से समुदायिक सहभागिता के माध्यम से आंगन मिशन कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से आंगनवाड़ी महिलाओं, माताओं और बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य एवं संस्कृति आदर के प्रति जागरूक किया गया।

धर्म काई से श्रमिक परिवार के प्रशांत लठ्ठर की शिक्षा का रास्ता हुआ आसान

देतवाड़ा, 7 अक्टूबर (तहसील छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सेवा संकल्प अभियान के तहत श्रम विभाग द्वारा श्रमिक परिवारों के कल्याण एवं उनके बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित विभिन्न योजनाएं जलदमनर परिवारों के लिए सशरान चली रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी शरणी ठाकुर की है, जिसकी शिक्षा को आगे बढ़ाने में उनकी मां के श्रमिकों से मिलने वाली सहायता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशांत ठाकुर की मां श्रमिक के रूप में पंजीकृत हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति सीमित होने के बावजूद मां का सपना था कि उनका बेटा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को बेहतर बनाए। शिक्षा से जुड़े खर्चों के कारण परिवार का अग्रगण्य बेटा चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन श्रम विभाग की योजना ने मिली सहायता ने इन मुश्किलों को काफ़ी हद तक कम किया। मां के श्रम का माध्यम से प्राप्त शैक्षणिक सहायता से प्रशांत की पढ़ाई जारी रखने में मदद मिली।

नंदराज पहाड़ में खनन की आहत से सहमे 23 ग्राम पंचायतों के लोग

विश्वजीत सरकार

बचेली, 7 अक्टूबर। बैलाडीला की तलहटी में नंदराज पहाड़ को लेकर आदिवासी ग्रामीणों की चिंता एक बार फिर सामने आई है। नंदराज को अपनी आस्था और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते वाले ग्रामीणों ने केन्द्र कर प्रस्तावित जहाँ खनन गतिविधियों को रोक आगित जलाई। बैकूम में सदरस्थारा राह मार्ग के संस्थापक मनीष कुंभारण और समाजसेविका सोनी सेग्री भी मौजूद रही। मनीष कुंभारण ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि नंदराज की पहाड़ी के साथ आदिवासी संस्कृति और विरासत को बचाने के लिए समूहिक संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को पकड़ने लेकर अपने अधिकारों और प्रभुत्विक संसाधनों की रक्षा करनी होगी। सोनी सेग्री ने भी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि नंदराज को लेकर पहले भी बड़े आंदोलन हुए हैं। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थिति वास्तव में ग्रामीणों में भी बड़े आंदोलन का हिस्सा बनेगी। नंदराज को लेकर आदिवासी समाज का विशेष नया नई है। 2019 में बैलाडीला के डिपार्टमेंट-13 में खनन के विरोध में हजारों आदिवासी ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया था। उस समय आंदोलनकारियों ने नंदराज को अपनी आस्था का केंद्र बनाते हुए खनन का विरोध किया था। तत्कालीन राज्य सरकार ने जुलाई 2014 की ग्रामसभा से जुड़ी अग्रसर की जांच करवाई और संबंधित गतिविधियों को रोकने की घोषणा की थी। बाद में देतवाड़ा कलेक्टर की जांच रिपोर्ट में कहा



गया कि 4 जुलाई 2014 को हिरौली में खनन संबंधी समझौते के लिए निर्माण के प्रस्ताविक ग्रामसभा आयोजित नहीं हुई थी। रिपोर्ट में ग्रामसभा की प्रक्रिया और कोरस जगह की लेकर भी गंभीर आपत्तियाँ दर्ज की गई थीं। पुराना विवाद अब एक बार फिर ग्रामीणों की चिंताओं के केंद्र में है। 'सरकारी योजनाएँ नहीं पहुँचें'-ग्रामीणों का दावा बैकूम में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्हें आज भी कई बुनियादी सरकारी सुविधाओं और दस्तावेजों का लाभ प्रतीय रूप से नहीं मिल पा रहा है। सोनी सेग्री ने भी ग्रामीणों की ओर से आह्वान किया, राशन कार्ड, सदरस्थ पंचायत पत्र और सरकारी योजनाओं की पहुँच को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने गाँव-वार प्रशासनिक पुष्टि अलग से आवश्यक है। हालाँकि, बैलाडीला क्षेत्र में खनन और स्थानीय विकास के संबंध को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। 2021 की एक रिपोर्ट में स्थानीय लोगों ने कहा था कि दस्तावेज से खनन के बावजूद

आसपास के समुदायों को अपेक्षित विकास नहीं मिला। लाल पानी और धूल का लेकर ग्रामीणों की शिकायत

ग्रामीणों ने खनन गतिविधियों से जुड़े लाल रंग के पानी, धूल और धूलों पर पड़ने वाले कोषित प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई। यह आरोप पुरी तरह स्थानीय दावों तक सीमित नहीं है। 2022 में बैलाडीला क्षेत्र के 28 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने खनन और प्रदूषण संबंधी शिकायतों को लेकर प्रदर्शन किया था। उस दौरान भी निरुत्तरने वाला लाल पानी नदियों, खेतों और पेजल तक की प्रभावित कर रहा है तथा सरसरे पहाड़ों और लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। हालाँकि, लाल पानी के कारण किसी विशेष बीमारी, फसल नुकसान या स्वास्थ्य समस्या की सीधी वजह साबित करने के लिए वैज्ञानिक/स्वास्थ्य विभाग की जाँच के आदेश आवश्यक नहीं हैं। इसलिए इस खबर में ऐसे ग्रामीणों की शिकायतें और आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए। राशन कार्ड से खनन निकल रहा है, लेकिन हमारे हिस्से में क्या होगा? ग्रामीणों का कहना है कि बैलाडीला से लंबे समय से लहे आदिवासी का खनन हो रहा है, लेकिन स्थानीय आदिवासियों समुदाय आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। 2021 की रिपोर्ट में भी स्थानीय निवासियों ने दावा किया था कि क्षेत्र में खनन के दस्तावेजों पुराने खनन के बावजूद स्थानीय स्तर पर विकास की कमी बनी हुई है। उसी रिपोर्ट में

Deposit-13 के लिए वनभूमि के उपयोग और नंदराज को आदिवासी समुदाय के पवित्र पहाड़ के रूप में बतार जगह का उल्लेख किया गया। हालाँकि लाल पानी का सहाजक एवं न्याय समिति का अध्यय, धनकार नाईक, विष्णु साहनी, भिखारीराम मनीष एवं सुखाम साहनी को उपाध्यक्ष, प्रदीप साहनी को महासचिव, सैतेंद्र राना को सहसचिव, विजेंद्र साहनी को कोषाध्यक्ष, बेमर सिंह नाग को उपकोषाध्यक्ष तथा देवेंद्र प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ एवं सामान्य प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने खनन गतिविधियों से जुड़े लाल रंग के पानी, धूल और धूलों पर पड़ने वाले कोषित प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई। यह आरोप पुरी तरह स्थानीय दावों तक सीमित नहीं है। 2022 में बैलाडीला क्षेत्र के 28 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने खनन और प्रदूषण संबंधी शिकायतों को लेकर प्रदर्शन किया था। उस दौरान भी निरुत्तरने वाला लाल पानी नदियों, खेतों और पेजल तक की प्रभावित कर रहा है तथा सरसरे पहाड़ों और लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। हालाँकि, लाल पानी के कारण किसी विशेष बीमारी, फसल नुकसान या स्वास्थ्य समस्या की सीधी वजह साबित करने के लिए वैज्ञानिक/स्वास्थ्य विभाग की जाँच के आदेश आवश्यक नहीं हैं। इसलिए इस खबर में ऐसे ग्रामीणों की शिकायतें और आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए। राशन कार्ड से खनन निकल रहा है, लेकिन हमारे हिस्से में क्या होगा? ग्रामीणों का कहना है कि बैलाडीला से लंबे समय से लहे आदिवासी का खनन हो रहा है, लेकिन स्थानीय आदिवासियों समुदाय आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। 2021 की रिपोर्ट में भी स्थानीय निवासियों ने दावा किया था कि क्षेत्र में खनन के दस्तावेजों पुराने खनन के बावजूद स्थानीय स्तर पर विकास की कमी बनी हुई है। उसी रिपोर्ट में

[illegible]

